मिल्क कैपिटल
बनने की दिशा में बढ़ते
मध्यप्रदेश के कदम

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय
दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

4 मई, 2026 | मेला ग्राउंड, ग्वालियर

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

समृद्ध पशुपालक - समृद्ध प्रदेश

दुग्ध उत्पादन
- प्रतिदिन 10 लाख लीटर दुग्ध संकलन
- 26 हजार गांवों को जोड़कर 52 लाख लीटर प्रतिदिन संकलन का लक्ष्य
- 226 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन के साथ मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर

दुग्ध प्रसंस्करण में वृद्धि
- इंदौर में प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र प्रारंभ
- 5 वर्षों में दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों में ₹ 3034 करोड़ का निवेश
- 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित

नस्ल सुधार एवं स्वास्थ्य
- हिरण्यगर्भा अभियान से नस्ल सुधार
- गोरस मोबाइल ऐप से संतुलित पशु आहार की जानकारी एवं मोबाइल पशु चिकित्सा
- पशु प्रजनन, पशु पोषण और पशु स्वास्थ्य के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि

दुग्ध समितियां
- वर्तमान में 7000+ ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां कार्यशील
- 1752 नयी दुग्ध सहकारी समितियां गठित

निराश्रित गौ-वंश प्रबंधन
- निराश्रित गौ-वंश के बेहतर प्रबंधन एवं संरक्षण हेतु 6000+ एकड़ भूमि आवंटित
- गौ-शाला निर्माण में निजी भागीदारी

उन्नत तकनीक उत्पादन
- पशु चारा संयंत्रों का आधुनिकीकरण और निर्माण
- डेयरी वैल्यू चैन का डिजिटलीकरण

‘ मध्यप्रदेश में पशुपालकों की आय वृद्धि के लिए दुग्ध उत्पादन और संकलन बढ़ाने, उन्नत नस्ल के पशु तैयार करने और आत्मनिर्भर गौ-शालाओं तथा निराश्रित गौ-वंश के स्थायी आश्रय जैसे हमारे प्रयासों से वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल के रुप से जाना जाएगा। ’

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

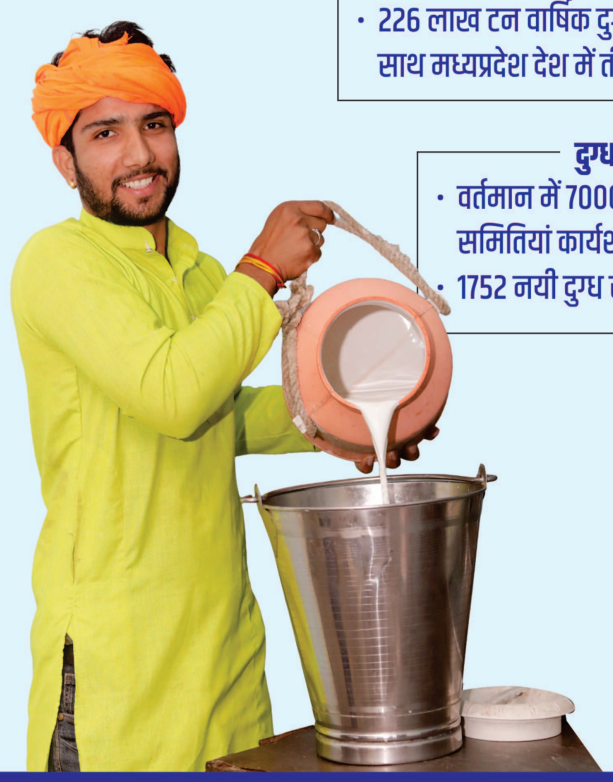

D11015/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण | Webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP